हिंदी

कार्यपत्रक

(सीखने के प्रतिफल पर आधारित)

कक्षा- 8

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली

वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 1 16-09-2021 15:51:44

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 2 16-09-2021 15:51:44

PREFACE

The National Policy on Education 2020 suggests for an increased focus on foundational literacy and numeracy with special focus on reading, writing, speaking, counting, arithmetic, and mathematical thinking throughout the preparatory and middle school education. It also suggests for a robust system of continuous, formative/adaptive assessment to track individualized learning and academic progress.

The academic loss due to Covid -19 pandemic has created a huge learning deficit and students are lagging behind in terms of learning outcomes. Learning Outcomes serve as benchmark for students' achievement in each class and subject. The Learning Outcomes for each class in Languages (Hindi, English and Urdu), Mathematics, Environmental Studies, Science and Social Science up to the elementary stage (Class 1 to 8) have been developed by NCERT and adapted by SCERT Delhi.

To bridge the learning gaps caused by the pandemic and to improve learning levels of students, SCERT Delhi has developed worksheets based on learning outcomes for class 3, 5 and 8. The worksheets for class 3 and 5 have been developed for subjects: Mathematics. Environment Studies and Languages (Hindi & English) and for class 8, Science Mathematics, Social Science and Languages (Hindi & English). Each subject has 10 worksheets with 15 MCQs for each worksheet.

These worksheets are provided for practice purpose to improve the competencies of students. These are exemplar and teachers can frame similar worksheets/questions for practice. Guidelines for teachers are also there in each subject booklet to help teachers get better understanding of objectives and content of the worksheets.

It gives me immense pleasure to hand over these worksheets to teachers, our nation builders who are striving and working hard to impart quality education to students. We all as stakeholders need to work collectively to facilitate our students to attain higher order competencies including critical thinking, creativity, problem solving skills so that they are able to meet contemporary needs and can become responsible citizens who can further contribute for national development and be ready to tackle global challenges.

Dr. Nahar Singh

Joint Director, SCERT

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 3 16-09-2021 15:51:44

मुख्य सलाहकार
श्री रजनीश कुमार सिंह, निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

मुख्य शैक्षणिक सलाहकार
डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

परियोजना समन्वयक
श्रीमती रमन अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली
डॉ. बिंदु सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

नोडल अधिकारी
डॉ. प्रवीण कुलश्रेष्ठ, (सहायक प्रोफेसर डाईट, घुम्मन हेरा, दिल्ली)

समन्वयक
डॉ. कुमुद भारद्वाज, सहायक प्रोफेसर डाईट उत्तर पूर्व, दिलशाद गार्डन, दिल्ली

निर्माण समिति
डॉ. कुमुद भारद्वाज, सहायक प्रोफेसर डाईट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली
डॉ. राकेश सिंह, प्राचार्य (सेवानिवृत्त) शिक्षा निदेशालय दिल्ली
डॉ. अंकित कु. श्रीवास्तव (प्रवक्ता) हिंदी कोर एकेडेमिक यूनिट शिक्षा निदेशालय दिल्ली
श्री ब्रजेश बहादुर सिंह (प्रवक्ता) हिंदी, रा.प्र.वि.वि. यमुना विहार, दिल्ली
श्री वीरेन्द्र बहादुर सिंह, (टी.जी.टी.) हिंदी रा.प्र.वि.वि., सिविल लाइन्स दिल्ली
श्रीमती शीतल, (टी.जी.टी.) हिंदी मेंटर शिक्षिका, सर्वोदय कन्या, वि. पुरानी सीमापुरी, दिल्ली

पुनरीक्षण समिति
डॉ. नरेश कोहली, एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली
डॉ. शिवेन्द्र कुमार झा, प्रवक्ता हिंदी, कोर एकेडेमिक यूनिट शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

प्रकाशन अधिकारी
डॉ. मुकेश यादव

प्रकाशन समूह
श्री नवीन कुमार
श्रीमती राधा

मुद्रकः ऐजुकेशनल स्टोर्स, एस-5 बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रियल एरिया साईट-1 गाजियाबाद (उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 4 16-09-2021 15:51:44

शिक्षकों के लिए दिशानिर्देश

1. राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद दिल्ली द्वारा बनाए गए वर्तमान कार्यपत्रक का उपयोग केवल अभ्यास के उद्देश्य से किया जाना चाहिए।
2. शिक्षक सभी विद्यार्थियों को निर्देशित करें कि दिए गए निर्देश/गद्यांश/काव्यांश/विज्ञापन अथवा पोस्टर का ध्यानपूर्वक मौन वाचन करें। (शिक्षक स्वयं वाचन न करें)।
3. सीखने के प्रतिफलों पर आधारित पंद्रह (15) बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQs) के दस (10) कार्यपत्रक हैं।
4. प्रत्येक प्रश्न में चार विकल्प हैं, उनमें से एक सही उत्तर है। विद्यार्थियों को निर्देशानुसार सही उत्तर पर (✓) सही का निशान लगाना है।

   उदाहरण के लिए–

   एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का तापमान निम्न में से कौन सा है?

   क) 99.00°F

   ✓ ख) 98.60°F

   ग) 98.00°F

   घ) 98.20°F
5. उत्तर कार्यपत्रक के अंत में दिए गए हैं।
6. शिक्षक के रूप में आप उत्तर की तर्क के साथ व्याख्या कर सकते हैं।
7. विद्यार्थियों द्वारा कार्यपत्रक को पूरा करने हेतु शिक्षक विद्यार्थियों को पर्याप्त समय दें।
8. शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यार्थी कार्यपत्रक को पूरा करें।
9. शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न का सही उत्तर खोजने में कोई सहायता न करें।
10. शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि विद्यार्थियों के अभ्यास के लिए ऐसे और प्रश्नपत्र तैयार करें ताकि उनमें विषय की समझ और आत्मविश्वास बढ़ सके।
11. शिक्षक सभी विद्यार्थियों की प्रगति का रिकॉर्ड लिखकर रखें और सीखने के प्रतिफलों में सुधार लाने का प्रयास करें।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 5 16-09-2021 15:51:44

हिंदी

कक्षा-8

कार्तिकेय ने अपने युद्ध–वाहन के लिए मयूर को क्यों चुना होगा, यह उस पक्षी का रूप और स्वभाव देखकर समझ में आ जाता है।

मयूर कलाप्रिय वीर पक्षी है, हिंसक–मात्र नहीं। इसी से उसे बाज, चील आदि की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, जिनका जीवन ही क्रूर कर्म है।

नीलकंठ में उसकी जातिगत विशेषताएँ तो थी ही, उनका मानवीकरण भी हो गया था। मेघों की साँवली छाया में अपने इंद्रधनुष के गुच्छे जैसे पंखों को मंडलाकार बनाकर जब वह नाचता था, तब उस नृत्य में एक सहजात लयताल रहता था। आगे–पीछे, दाहिने–बाएँ क्रम घूमकर वह किसी अलक्ष्य सम पर ठहर–ठहर जाता था।

राधा नीलकंठ के समान नहीं नाच सकती थी, परंतु उसकी गति में भी एक छंद रहता था। वह नृत्यमग्न नीलकंठ की दाहिनी ओर के पंख को छूती हुई बाईं ओर निकल आती थी और बाएँ पंख को स्पर्श कर दाहिनी ओर। इस प्रकार उसकी परिक्रमा में भी एक पूरक ताल–परिचय मिलता था। नीलकंठ ने कैसे समझ लिया कि उसका नृत्य मुझे बहुत भाता है, यह तो नहीं बताया जा सकता परंतु अचानक एक दिन वह मेरे जालीघर के पास पहुँचते ही अपने झूले से उतरकर नीचे आ गया और पंखों का सतरंगी मंडलाकार छाता तानकर नृत्य की भंगिमा में खड़ा हो गया। तब से यह नृत्य–भंगिमा नित्य का क्रम बन गई। प्रायः मेरे साथ कोई–न–कोई देशी–विदेशी अतिथि भी पहुँच जाता था और नीलकंठ की मुद्रा को अपने प्रति सम्मानपूर्वक समझकर विस्मयाभिभूत हो उठता था। कई विदेशी महिलाओं ने उसे 'परफैक्ट जेंटिलमैन' की उपाधि दे डाली। जिस नुकीली पैनी चोंच से वह भयंकर विषधर को खंड–खंड कर सकता था, उसी से मेरी हथेली पर रखे हुए भुने चने ऐसी कोमलता से हौले–हौले उठाकर खाता था कि हँसी भी आती थी और विस्मय भी होता था। फलों के वृक्षों से अधिक उसे पुष्पित और पल्लवित वृक्ष भाते थे। नीलकंठ और राधा की सबसे प्रिय ऋतु तो वर्षा ही थी, मेघों के उमड़ आने से पहले ही वह हवा में उसकी सजल आहट पा लेते थे

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं (✓) का निशान लगाएँ

1. नीलकंठ के पंख कैसे दिखते हैं?

(क) नीले और चमकीले (ख) इन्द्रधनुष के गुच्छे जैसे

(ग) नीले और काले (घ) रंग–बिरंगे

2. 'सहजात' शब्द का अर्थ क्या होगा?

(क) साथ साथ चलने वाला (ख) अपनी जाति का

(ग) साथ जन्म लेने वाला (घ) सहन कर लेने वाला

3. मयूर भी हिंसक है फिर भी उसे बाज, चील आदि की श्रेणी से अलग रखा गया है, क्योंकि–

(क) मयूर इन पक्षियों से खुश नहीं रहता था।

(ख) मयूर एवं चील तथा बाज परस्पर विरोधी स्वभाव के हैं।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 1 16-09-2021 15:51:44

(ग) मयूर हिंसक होने के साथ कलाप्रिय और वीर पक्षी है।

(घ) मयूर को मनुष्य पालते हैं, जबकि चील और बाज को नहीं।

4. नीलकंठ के मानवीकरण होने का क्या तात्पर्य है?

(क) वह मानव जैसा लगने लगा था

(ख) मानव को देखकर अपने पंख फैला कर नाचने लगा था

(ग) उसका खान–पान मानव जैसा हो गया था

(घ) वह मनुष्यों जैसा व्यवहार करने लगा था।

5. कार्तिकेय ने मयूर को ही अपना युद्ध वाहन क्यों चुना?

(क) मयूर पक्षी आकार में बड़ा होता है।

(ख) मयूर का स्वभाव क्रूर होता है।

(ग) उसका नृत्य आकर्षक होता है।

(घ) मयूर बड़े आकार के साथ ही हिंसक एवं वीर पक्षी है।

पथ भूल न जाना पथिक कहीं

पथ में काँटे तो होंगे ही, दूर्वादल–सरिता, सर होंगे

सुंदर गिरि–वन–वापी होंगी, सुंदर–सुंदर निर्झर होंगे

सुंदरता की मृग–तृष्णा में, पथ भूल न जाना पथिक कहीं

जब कठिन कर्म–पगडंडी पर, राही का मन उन्मुख होगा

जब सपने सब मिट जाएँगे, कर्तव्य मार्ग सम्मुख होगा

तब अपनी प्रथम विफलता में, अपने भी विमुख–पराए बन

आँखों के सम्मुख आएँगे

पग–पग पर घोर निराशा के, काले बादल छा जाएँगे

तब अपने एकाकीपन में, पथ भूल न जाना पथिक कहीं।

रणभेरी सुन, कह 'विदा, विदा', जब सैनिक पुलक रहे होंगे

हाथों में कुंकुम थाल लिए, कुछ जलकण ढुलक रहे होंगे

कर्तव्य प्रेम की उलझन में पथ भूल न जाना पथिक कहीं।

ऊपर दिए गये काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं (✓) का निशान लगाएँ

6. कविता के अनुसार पथिक को क्या नहीं भूलना चाहिए?

(क) अपनी बात को (ख) अपने जीवन–पथ को

(ग) कविता के रचयिता को (घ) पथके काँटों को

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 2 16-09-2021 15:51:44

7. **कवि ने काँटे शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है?**

(क) रास्ते के काँटे के लिए (ख) जीवन–पथ की बाधाओं के लिए

(ग) दूर्वादल की सरिता के लिए (घ) गुलाब के काँटों के लिए

8. **कविता में 'मृगतृष्णा' का भावार्थ क्या है?**

(क) गर्मियों में लगने वाली मृग की प्यास (ख) मृग की इच्छा

(ग) ऐसी सुन्दरता की इच्छा जो पूरी न हो सके (घ) मृग को पाने की चाह

9. **घोर निराशा कब छा जाती है?**

(क) दूसरों के वन जंगल जब रास्ते में आते हैं। (ख) जब अपने ही लोग साथ नहीं देते।

(ग) जब अजनबी लोग सामने आ जाते हैं। (घ) जब आसमान में काले बादल छा जाते हैं।

10. **पत्नी के हाथ में कुंकुम–थाल और गिरते हुए अश्रुकण देखकर सैनिक की मनोदशा कैसी हो जाती होगी ?**

(क) वह देशभक्ति भूलकर पारिवारिक जीवन को महत्त्व देता होगा।

(ख) वह अपने देश के प्रति कर्तव्य एवं पारिवारिक प्रेम की उलझन में पड़ जाता होगा।

(ग) उसका मन कमजोर हो जाता होगा व साहस खत्म हो जाता होगा।

(घ) वह पारिवारिक स्थिति पर ध्यान न देकर देश के प्रति कर्तव्य को प्राथमिकता देता होगा।

नीचे दिए गए विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

11. **यह विज्ञापन किससे सम्बंधित है?**

(क) नारी के विविध रूप से (ख) नारी की शारीरिक शक्ति से

(ग) नारी की कमजोरी से (घ) नारी के प्रति अन्याय से

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 3 16-09-2021 15:51:44

12. **विज्ञापन में दिखाया गया 1090 नम्बर किसका है?**

(क) विज्ञापन एजेंसी का (ख) कोविड–19 की सूचना का

(ग) वीमेन पॉवर लाइन का (घ) पुलिस हेल्पलाइन का

13. **''दो गज की दूरी मास्क है जरूरी'' किस बीमारी से सम्बंधित नारा है?**

(क) नारी शक्ति (ख) कोविड–19

(ग) एड्स(एच.आई.वी.) (घ) कर्क रोग

14. **पुलिस आपातकालीन सेवा का नम्बर क्या है?**

(क) 1098 (ख) 102 (ग) 112 (घ) 1076

15. **इस विज्ञापन के एक चित्र में मेट्रो ट्रेन के साथ खड़ी महिला क्यों दिखाई गई है?**

(क) मेट्रो ट्रेन के विज्ञापन के लिए (ख) मेट्रो में नारी आरक्षण के लिए

(ग) विज्ञापन में चित्र डालने के लिए (घ) महिला मेट्रो–चालक को दर्शाने के लिए।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 4 16-09-2021 15:51:44

हिंदी

कक्षा-8

जिंदा रहने की ख्वाहिश कुदरती तौर पर मुझ में भी होनी चाहिए। मैं इसे छिपाना नहीं चाहता, पर मेरा जिंदा रहना मशरूत (सशर्त) है। मैं बंदी बनकर या पाबंद होकर जिंदा रहना नहीं चाहता। मेरा नाम हिंदुस्तानी इंकलाब पार्टी का निशान बन चुका है और इंकलाब पसंद पार्टी के आदर्शों और बलिदानों ने मुझे बहुत ऊँचा कर दिया है। इतना ऊँचा कि जिंदा रहने की सूरत में इससे ऊँचा मैं हर्गिज नहीं हो सकता। आज मेरी कमजोरियाँ लोगों के सामने नहीं हैं। अगर मैं फाँसी से बच गया तो जाहिर हो जाएँगी और 'इंकलाब का निशान' मद्धिम पड़ जाएगा या शायद मिट भी जाए। लेकिन मेरे दिलेराना ढंग से हँसते–हँसते फाँसी पाने की सूरत में हिंदुस्तानी माताएँ अपने बच्चों के भगत सिंह बनने की आरजू किया करेंगी और देश की आजादी के लिए बलिदान होने वालों की तादाद इतनी बढ़ जाएगी कि इंकलाब को रोकना साम्राज्यवाद की सम्पूर्ण शैतानी शक्तियों के बस की बात न रहेगी। हाँ, एक विचार आज भी कचोटता है। देश और इंसानियत के लिए जो कुछ हसरतें मेरे दिल में थी, उनका हजारवाँ हिस्सा भी मैं पूरा नहीं कर पाया। अगर जिंदा रह सकता तो शायद इनको पूरा करने का मौका मिल जाता और मैं अपनी हसरतें पूरा कर सकता।

इसके सिवा कोई लालच मेरे दिल में फाँसी से बचा रहने के लिए कभी नहीं आया। मुझसे ज्यादा खुशकिस्मत और कौन होगा? मुझे आजकल अपने आप पर बड़ा नाज है अब तो बड़ी बेताबी से आखिरी इंतिहां का इंतजार है

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. उपर्युक्त पत्र किस शहीद ने लिखा है?

(क) महात्मा गांधी ने। (ख) जवाहर लाल नेहरु ने।

(ग) भगत सिंह ने। (घ) चंद्रशेखर आजाद ने।

2. लेखक को अपना स्थान किस कारण ऊँचा महसूस होता है ?

क) अपने शहीद होने के कारण,

ख) इंकलाब पसंद पार्टी के आदर्शों एवं बलिदान के कारण,

ग) दिलेराना ढंग से हँसते–हँसते फाँसी पर चढ़ने के कारण,

घ) देश और इंसानियत की हसरतें दिल में रखने के कारण।

3. 'इंकलाब पार्टी का निशान' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(क) लेखक इंकलाब पार्टी का प्रमुख था।

(ख) लेखक इंकलाब पार्टी का विरोधी था।

(ग) लेखक इस पार्टी के आदर्शों से असहमत था।

(घ) इंकलाब पार्टी लेखक के विचारों की विरोधी थी।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 5 16-09-2021 15:51:44

4. **4. लेखक की हसरतें पूरी क्यों नहीं हो पायीं?**

(क) सरकार ने पूरा नहीं करने दिया था।

(ख) उसके प्रति जागरूक नहीं थी।

(ग) उसे अच्छी तरह समझ नहीं पाया था।

(घ) उसे जिंदा रहने का कम समय मिला था।

5. **'अपने आप पर नाज है' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?**

(क) उसने इंकलाब जिंदाबाद का नारा दिया था।

(ख) इंकलाब पसंद पार्टी बनाने के कारण,

(ग) देश की आजादी के लिए फाँसी की सजा पाने के कारण,

(घ) देश की आजादी के लिए एकजुटता बनाने के कारण।

हरी घास पर बिखेर दी हैं ये किसने मोती की लड़ियाँ?
कौन रात में गूँथ गया है ये उज्ज्वल हीरों की कड़ियाँ?

जुगनू से जगमग जगमग ये, कौन चमकते हैं यों चमचम?
नभ के नन्हें तारों से ये, कौन दमकते हैं यों दमदम?

लुटा गया है कौन जौहरी, अपने घर का भरा खजाना?
पत्तों पर, फूलों पर, पग–पग, बिखरे हुए रतन हैं नाना।

बड़े सवेरे मना रहा है, कौन खुशी में यह दीवाली?
वन उपवन में जला दी है, किसने दीपावली निराली?

जी होता, इन ओस कणों को, अंजली में भर घर ले आऊँ?
इनकी शोभा निरख निरख कर, इन पर कविता एक बनाऊँ।

ऊपर दिए गये काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. **कवि ने 'मोती की लड़ियाँ' किसे कहा है?**

(क) हरी घास को (ख) ओस की बूँदों को

(ग) आसमान के तारों को (घ) पौधों पर लगे फूलों को

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 6 16-09-2021 15:51:44

7. **कवि ने कविता में दिन के किस पहर (काल) की प्राकृतिक सुषमा का वर्णन किया है?**

(क) प्रातः काल (ख) रात्रि (ग) सायं काल (घ) दोपहर

8. **सुबह–सवेरे ओस की बूँदें जुगनू सी चमकती क्यों दिखती हैं?**

(क) ओस की बूँद जुगनू की तरह चमकती है।

(ख) ओस की बूँदों का रंग पीला होता है।

(ग) सुबह सूर्य की किरणें ओस की बूँदों पर पड़ती हैं।

(घ) सुबह–सुबह जुगनू मँडराते रहते हैं।

9. **कवि ने दीपावली की तुलना उस सुबह के दृश्य से की है, क्योंकि–**

(क) दीपावली की तरह सुबह चारों ओर दिए जल रहे थे।

(ख) वातावरण में चारों ओर खुशहाली एवं उल्लास छाया हुआ है।

(ग) वातावरण में हर तरफ जुगनू चमक रहे हैं।

(घ) ओस की बूँदों पर सूर्य की किरणें पड़ने से दीपक के जलने जैसे दृश्य हैं।

10. **'जौहरी' शब्द का पर्यायवाची शब्द क्या होगा?**

(क) पारखी (ख) जहरीला (ग) लुटेरा (घ) जौहर दिखाने वाला

नीचे दिए गए विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 7 16-09-2021 15:51:45

11. इस विज्ञापन में किस बीमारी के प्रति सचेत किया गया है?

(क) वायरल बुखार (ख) कोविड–19 (ग) मलेरिया (घ) काली खाँसी

12. इस विज्ञापन का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(क) विज्ञापन एजेंसी का प्रचार करना। (ख) ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों को समझना।

(ग) हमेशा दवाई लेने के लिए प्रेरित करना। (घ) सतर्कता और सुरक्षा के साथ त्योहार मनाना।

13. इस विज्ञापन के अनुसार किसी व्यक्ति का स्वागत कैसे करना चाहिए?

(क) गले मिलकर (ख) हाथ मिलाकर

(ग) दो गज की दूरी बनाकर (घ) नजरें बचाकर

14. निरंतर हाथ धोते रहना क्यों जरूरी है?

(क) हाथ सदैव सुंदर रहेगा (ख) स्वच्छता अभियान का पालन होगा

(ग) कोरोना वायरस से बचने के लिए (घ) राष्ट्रीय एकता बनी रहेगी

15. इस विज्ञापन में भीड़–भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचने के लिए कहा गया है, क्योंकि वहाँ–

(क) झगड़ा होने का डर रहता है। (ख) कोरोना वायरस के संक्रमण का डर रहता है।

(ग) रास्ता जाम हो जाता है। (घ) भीड़ में खोने का डर होता है।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 8 16-09-2021 15:51:45

हिंदी

कक्षा-8

आपने कभी सोचा है कि कहानियाँ हमें क्यों अच्छी लगती हैं? कहानी बच्चों ही नहीं, बड़ों के भी मन–मस्तिष्क को सीधे प्रभावित करती हैं। कब कौन–सा पात्र हमारी सोच, विचारधारा और मानसिकता को प्रभावित कर जाता है, पता ही नहीं चलता। और वह जीवित रहता है हमारे बीच – हमारा हिस्सा बनकर। इसीलिए वीर शिवाजी, थॉमस अल्वा एडिसन जैसे कितने ही लोगों की जब चर्चा की जाती है तो उनके जीवन को आगे ले जाने के लिए उन कहानियों की चर्चा अवश्य होती है जिन्हें सुना कर उनकी परवरिश की गई। इसीलिए पंचतंत्र, रामायण, महाभारत, बाइबल आदि में संकलित कथाएँ बचपन से ही बच्चों को सुनाई जाती हैं जिससे वे जीवन के मूल–भूत सिद्धांतों को सहजता और सरलता से समझें और यह स्वाभाविक रूप से जानें कि क्या उचित है और क्या अनुचित। कहानियों से जुड़े भाव और तथ्य कहीं न कहीं उन्हें जीवन से जोड़ते हैं और बच्चे सहजता से उसी विचारधारा के अनुरूप अपना मार्ग सुनिश्चित कर अपने व्यक्तित्व को विस्तार देते हैं। बच्चो! आखिर क्या होता है कि कोर्स की किताबें देखते ही नींद आती है, जबकि कहानियाँ सुनते–पढ़ते व्याकुलता बढ़ती जाती है? ऐसा इसीलिए है कि कहानियाँ हमारे जीवन में, मस्तिष्क में कल्पना और यथार्थ का घालमेल कर उन्हें ऊँची उड़ान देती हैं। वह उड़ान कभी परी–कथा, कभी पंचतंत्र के जीव–जंतुओं तो कभी हैरी पॉटर की जादुई दुनिया, कभी अलादीन का चिराग तो कभी रॉबिन हुड की वीरता से हमारे मन में घर कर जाती है। कहानियों में संकलित काल्पनिक जीवन के सुखद अनुभव हमारे जीवन को नई मुस्कान और पहचान दे जाते हैं।

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. बच्चों के साथ बड़ों के मन को क्या प्रभावित करती हैं?

(क) कोर्स की किताबें (ख) कहानियाँ (ग) शास्त्रीय संगीत (घ) उपन्यास

2. पंचतंत्र, रामायण, महाभारत, बाइबल आदि में संकलित कथाएँ बचपन से ही बच्चों को क्यों सुनाई जाती हैं?

(क) सुलाने के लिए। (ख) व्यस्त रखने के लिए।

(ग) व्यक्तित्त्व को विस्तार देने के लिए। (घ) काल्पनिक जीवन जीने के लिए।

3. कहानियों में जादुई दुनिया का संबंध किससे है?

(क) वीर शिवाजी (ख) रॉबिन हुड

(ग) थॉमस अल्वा एडिसन (घ) हैरी पॉटर

4. पंचतंत्र की कहानियों के पात्र कौन हैं?

(क) पेड़–पौधे (ख) देवी–देवता (ग) जीव–जंतु (घ) परियाँ

5. कहानियाँ हमें क्यों अच्छी लगती हैं?

(क) सुखद अनुभूति के कारण। (ख) दुखद अनुभूति के कारण।

(ग) नीरस अनुभूति के कारण। (घ) नींद की अनुभूति के कारण।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 9 16-09-2021 15:51:45

नीचे दिए गए विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. उपर्युक्त विज्ञापन किस विभाग द्वारा जारी किया गया है?

(क) जन–संपर्क विभाग (ख) राजमार्ग विभाग

(ग) स्वास्थ्य विभाग (घ) परिवहन विभाग

7. 80% प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएँ किनकी लापरवाही के कारण होती हैं?

(क) पैदल यात्रियों की (ख) वाहन चालकों की

(ग) यातायात पुलिस की (घ) रेहड़ी वालों की

8. दुर्घटना–मुक्त देश बनाने में हम किस प्रकार योगदान दे सकते हैं?

(क) सड़क पर वाहन चलाना छोड़ कर, (ख) सड़क पर पैदल चलना छोड़ कर,

(ग) सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन कर, (घ) सड़क पर साइकिल चलाना छोड़ कर।

9. विज्ञापन में बालक "अफसोस की बात है।" क्यों कहता है?

(क) सड़क पर यात्रियों की संख्या देखकर,

(ख) सड़क सुरक्षा–जीवन रक्षा के नारे को देखकर,

(ग) सड़क दुर्घटना में मृत लोगों की संख्या देखकर,

(घ) सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाते हुए देखकर।

10. इस विज्ञापन का उद्देश्य है–

(क) लोगों के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों का प्रचार करना,

(ख) लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करना,

(ग) लोगों को सड़क पर वाहन चलाने से रोकना,

(घ) मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करना।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 10 16-09-2021 15:51:45

नीचे दी गई तालिका को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

दिल्ली के प्रसिद्ध स्मारक	निर्माण वर्ष	निर्माणकर्ता	मार्ग / स्थान
लाल किला	1638	शाहजहाँ	नेताजी सुभाष मार्ग
कुतुब मीनार	1193	कुतुबुद्दीन ऐबक	महरौली
हुमायूँ का मकबरा	1565	बेगा बेगम	मथुरा रोड और लोधी रोड की क्रासिंग के समीप
अक्षरधाम मंदिर	2005	स्वामीनारायण संस्था	राष्ट्रीय राजमार्ग 24
बहाई मंदिर	1986	फ्यूरीबुर्ज सबा	नेहरु प्लेस
जंतर–मंतर	1724	महाराजा जयसिंह	संसद मार्ग

11. लाल किला दिल्ली में किस मार्ग पर स्थित है?

(क) संसद मार्ग

(ख) मथुरा रोड और लोधी रोड की क्रासिंग के समीप

(ग) नेताजी सुभाष मार्ग

(घ) नेहरु प्लेस

12. 'जंतर–मंतर' का निर्माण किसने करवाया?

(क) महाराजा जयसिंह (ख) कुतुबुद्दीन ऐबक

(ग) स्वामीनारायण संस्था (घ) फ्यूरीबुर्ज सबा

13. दिल्ली के किस प्रसिद्ध स्मारक का निर्माण 1193 ई. में किया गया?

(क) जंतर–मंतर (ख) लाल किला (ग) कुतुब मीनार (घ) हुमायूँ का मकबरा

14. मथुरा रोड और लोधी रोड की क्रासिंग के समीप कौन–सा ऐतिहासिक स्मारक स्थित है?

(क) कुतुब मीनार (ख) हुमायूँ का मकबरा

(ग) अक्षरधाम मंदिर (घ) बहाई मंदिर

15. दिल्ली की एक प्रसिद्ध इमारत का निर्माण एक महिला ने करवाया था, उनका नाम है–

(क) कुतुबुद्दीन ऐबक (ख) फ्यूरीबुर्ज सबा

(ग) बेगा बेगम (घ) शाहजहाँ

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 11 16-09-2021 15:51:45

हिंदी कार्यपत्रक

कक्षा-8

ब्रह्मपुत्र की विकास यात्रा की तरह ही इसके नामों की विकास यात्रा भी काफी मनोरंजक तथा ज्ञानवर्धक है। तिब्बत में इसकी विशालता को देखकर ही इसे 'सांग पो' अर्थात विशाल नदी कहा गया। भारत में प्रवेश करते ही इसका नाम 'दिहांग' हो जाता है। दिहांग का अर्थ है–बड़ी नदी। वस्तुतः इस क्षेत्र में नदियों की औसत लंबाई काफी कम पाई जाती है ऐसी स्थिति किसी बड़ी नदी का उपर्युक्त नाम रखा जाना स्वाभाविक है। मिश्मी लोग ब्रह्मपुत्र को 'लुइत' कहते हैं। मिश्मी बोली में लुइत का अर्थ है– 'तारों की राजकुमारी' ब्रह्मपुत्र का एक नाम लौहित्य भी है। संस्कृत के शब्द लौहित्य का अर्थ है लाल। पहाड़ों की मिट्टी के लाल कणों को इसकी धारा बहाती आई है। कदाचित इसीलिए इसका नाम लौहित्य पड़ा। पौराणिक आख्यानों के अनुसार विष्णु के अवतार भगवान परशुराम अपने हाथ में रक्तरंजित परशु लेकर सदिया में ब्रह्मपुत्र के तट पर आए। यही उन्होंने अपने हाथ धोए, तभी उनके हाथ से रक्तरंजित परशु छूटा। परशु में लगा रक्त ब्रह्मपुत्र की धारा में घुला और उसका रंग लाल हो गया। इस पौराणिक कथा से संबद्ध स्थान 'परशुराम कुंड' आज भी एक प्रमुख तीर्थ है।

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. ब्रह्मपुत्र को 'लुइत' कौन कहते हैं?

(क) तिब्बती (ख) मिश्मी (ग) मंदारिन (घ) नेपाली

2. ब्रह्मपुत्र का नाम 'दिहांग' क्यों पड़ा?

(क) सहायक नदियों के कारण, (ख) भगवान परशुराम के कारण,

(ग) नदी की विशालता के कारण, (घ) मिट्टी के लाल कणों के कारण।

3. 3. तिबत्ती भाषा में 'सांग पो' का अर्थ होता है–

(क) छोटी नदी (ख) सहायक नदी (ग) विशाल नदी (घ) पर्वतीय नदी

4. ब्रह्मपुत्र का पानी लाल रंग का क्यों दिखाई पड़ता है?

(क) पानी में हमेशा रक्त बहने के कारण, (ख) पानी में मिट्टी के लाल कणों के कारण,

(ग) नदी का लौहित्य नाम रखने के कारण, (घ) पानी में लाल रंग के फूल बहने के कारण।

5. कोई स्थान कब तीर्थ बन जाता है?

(क) प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण, (ख) आर्थिक लाभ के कारण,

(ग) पर्वतीय क्षेत्र में स्थित होने के कारण, (घ) पौराणिक मान्यताओं के कारण।

अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर, पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ।

तूफानों–भूचालों की भयप्रद छाया में, मैं ही एक अकेला हूँ, जो गा सकता हूँ।

मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है, इसमें मुझ–से अगणित प्राणी आ जाते हैं।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 12 16-09-2021 15:51:45

मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है, मैं खंडहर को फिर से महल बना सकता हूँ।

जब–जब भी मैंने खंडहर आबाद किए, प्रलय–मेघ, भूचाल देख मुझको शरमाए।

मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या?

युगों–युगों से इन झोपड़ियों में रहकर भी, औरों के हित लगा हुआ हूँ महल सजाने।

ऊपर दिए गये काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. प्रस्तुत काव्यांश में 'मैं' की संज्ञा किसे दी गई है?

(क) किसानों को (ख) स्त्रियों को (ग) मजदूरों को (घ) पूँजीपति को

7. मजदूर झोपड़ियों में रहते हुए भी क्या करता है?

(क) प्रलय–मेघ, भूचाल लाने का काम (ख) दूसरों के लिए अन्न उपजाने का काम

(ग) दूसरों के लिए भवन निर्माण का काम (घ) खँडहर बनाने का काम

8. ''तूफानों–भूचालों की भयप्रद छाया'' कहने से कवि का आशय है–

(क) समुद्र में उठने वाली ऊँची लहरें (ख) प्रकृति के प्रति मजदूर की चिंता

(ग) जीवन की कठिनाइयाँ और संघर्ष (घ) अमीर बनने की इच्छा

9. मजदूर के अपने ऊपर अदम्य विश्वास का कारण है–

(क) देवों की बस्ती में निवास करना (ख) अथक परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति का होना

(ग) अपने अभाव मिटाने में सक्षम होना (घ) किसानों का भी सहयोग मिलना

10. प्रस्तुत काव्यांश में ''देव'' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?

(क) मजदूर वर्ग के लिए (ख) संपन्न वर्ग के लिए

(ग) किसान वर्ग के लिए (घ) ईश्वर के लिए

नीचे दी गई तालिका को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

पुस्तक	लेखक	विधा	पुरस्कार	वर्ष
हिमतरंगिनी	माखनलाल चतुर्वेदी	कविता–संग्रह	साहित्य अकादमी पुरस्कार	1955
नीला चाँद	डॉ. शिव प्रसाद सिंह	उपन्यास	व्यास सम्मान	1992
आलोक पर्व	हजारी प्रसाद द्विवेदी	निबंध–संग्रह	साहित्य अकादमी पुरस्कार	1973
एक कहानी यह भी	मन्नू भंडारी	आत्मकथा	व्यास सम्मान	2008
निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा	जीवनी	साहित्य अकादमी पुरस्कार	1970
काचू की टोपी	गोविंद शर्मा	कहानी संग्रह	बाल साहित्य पुरस्कार	2019
डार्क हॉर्स	नीलोत्पल मृणाल	उपन्यास	युवा पुरस्कार	2016

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 13 16-09-2021 15:51:45

11. उपर्युक्त सारिणी के अनुसार ''आत्मकथा'' विधा की रचना है–

(क) आलोक पर्व (ख) एक कहानी यह भी

(ग) निराला की साहित्य साधना (घ) काचू की टोपी

12. उपर्युक्त सारिणी के अनुसार ''साहित्य अकादमी पुरस्कार'' किन कृतियों पर मिला है?

(क) आलोक पर्व, एक कहानी यह भी और हिमतरंगिनी

(ख) निराला की साहित्य साधना, डार्क हॉर्स और एक कहानी यह भी

(ग) हिमतरंगिनी, आलोक पर्व और निराला की साहित्य साधना

(घ) नीला चाँद, काचू की टोपी और आलोक पर्व

13. ''डार्क हॉर्स'' का प्रकाशन किस वर्ष में हुआ ?

(क) 1973 (ख) 2008 (ग) 2019 (घ) 2016

14. ''बाल साहित्य पुरस्कार'' प्राप्त कहानी संग्रह है–

(क) नीला चाँद (ख) काचू की टोपी (ग) आलोक पर्व (घ) हिमतरंगिनी

15. कौन सा उपन्यास ''व्यास सम्मान'' से सम्मानित है?

(क) आलोक पर्व (ख) डार्क हॉर्स (ग) नीला चाँद (घ) काचू की टोपी

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 14 16-09-2021 15:51:45

हिंदी

कक्षा-8

19वीं सदी के प्रारंभ में दार्जिलिंग हिमालयी रेलवे, हिल स्टेशनों की रानी के रूप में दार्जिलिंग के विकास और भारत के मुख्य चाय उगाने वाले क्षेत्रों के साथ घनिष्ठता के साथ जुड़ा हुआ है। दर्जिलिंग, जो अब घना वृक्ष युक्त पर्वतीय क्षेत्र है पहले सिक्किम साम्राज्य का भाग था। इसको 1835 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा अपने सैनिकों के लिए विश्राम स्थल और स्वास्थ्य लाभ केन्द्र के रूप में अपनाया गया था। जब इस क्षेत्र को सिक्किम से पट्टे पर लिया और हिल स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू हुआ, तब सड़क मार्ग से मैदानी इलाकों को जोड़ा गया था। सन् 1878 में पूर्वी बंगाल रेलवे ने सिलीगुड़ी से स्टीम रेलवे के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो पहले से ही कोलकाता से दार्जिलिंग तक जुड़ा हुआ था। इसे सरकारी अनुमोदन प्राप्त हुआ और तुरंत निर्माण कार्य शुरू हुआ और 1881 तक यह पूरा हो गया था। सन् 1958 के बाद से सरकार के अधीन पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा इसका प्रबंधन किया जा रहा है।

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. हिल स्टेशनों की रानी के रूप में कौन सा स्थान प्रसिद्ध है?

(क) सिक्किम (ख) दार्जिलिंग (ग) कोलकाता (घ) सिलीगुड़ी

2. दार्जिलिंग हिमालयी रेलवे का प्रबंधन अब किसके द्वारा किया जा रहा है?

(क) ईस्ट इंडिया कंपनी (ख) सिक्किम राज्य

(ग) पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (घ) पूर्वी बंगाल रेलवे

3. गद्यांश के अनुसार दार्जिलिंग में मुख्य रूप से किस फसल का उत्पादन होता है?

(क) कहवा (ख) चाय (ग) रबड़ (घ) गन्ना

4. हिल स्टेशन के रूप में दार्जिलिंग का विकास किसलिए किया गया था?

(क) सिक्किम साम्राज्य का अंग बनाने के लिए

(ख) घने वृक्ष युक्त पर्वतीय क्षेत्र बनाने के लिए

(ग) सरकारी अनुमोदन प्राप्त करने के लिए

(घ) ब्रिटिश सैनिको के विश्राम और स्वास्थ्य के लिए

5. पर्वतीय क्षेत्रों में रेल बिछाने से क्या लाभ होते हैं?

(क) वाहन चलने बंद हो जाते हैं।

(ख) मौसम में परिवर्तन आ जाता है।

(ग) सुगम तरीके से दुर्गम स्थानों तक पहुँचा जा सकता है।

(घ) पर्वतीय क्षेत्र में वृक्ष और घने हो जाते हैं।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 15 16-09-2021 15:51:45

नीचे दिए गए विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. राष्ट्रीय मतदाता दिवस कब मनाया जाता है?

(क) 24 जनवरी (ख) 25 जनवरी (ग) 25 दिसंबर (घ) 24 फरवरी

7. लोकतंत्र सशक्त कैसे बन सकता है?

(क) विज्ञापन जारी करने से (ख) चुनाव संबंधी साक्षरता से

(ग) निर्वाचन पदाधिकारी बनने से (घ) सामाजिक भेद–भाव से

8. मतदान के बाद अमिट स्याही ज्यादातर कहाँ लगाई जाती है?

(क) बाएँ हाथ के अँगूठे में (ख) दाएँ हाथ के अँगूठे में

(ग) बाएँ हाथ की तर्जनी ऊँगली में (घ) दाएँ हाथ की तर्जनी ऊँगली में

9. विज्ञापन के अनुसार ''बिहार का मतदाता, लोकतंत्र का जन्मदाता'' पंक्ति का आशय है–

(क) बिहार में अनेक महापुरुषों का जन्म हुआ है।

(ख) बिहार का मतदाता सबसे ज्यादा जागरूक है।

(ग) बिहार में सर्वप्रथम लोकतंत्र की शुरुआत हुई।

(घ) बिहार विकसित राज्यों में सर्वप्रथम है।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 16 16-09-2021 15:51:45

10. प्रस्तुत विज्ञापन का उद्देश्य है–

(क) पढ़ने–लिखने हेतु साक्षर बनाना, (ख) मतदाताओं को जागरूक करना,

(ग) लोकतंत्र के प्रति चिंता व्यक्त करना, (घ) नेताओं के प्रति सम्मान बढ़ाना।

नीचे दी गई तालिका को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

भारत की शास्त्रीय नृत्य शैली	संबंधित प्रमुख राज्य/क्षेत्र	प्रमुख नर्तक/नृत्यांगना	प्रस्तुति में शामिल वाद्ययंत्र
भरतनाट्यम	तमिलनाडु (दक्षिण भारत)	यामिनी कृष्णमूर्ति	मृदंग, बाँसुरी, वायलिन, वीणा
मणिपुरी नृत्य	मणिपुर (पूर्वोत्तर भारत)	कलावती देवी	पुंग, ढोल, बाँसुरी
कथक	उत्तर भारत	बिरजू महाराज	तबला, पखावज़, सारंगी
कथकली	केरल (दक्षिण भारत)	शंकर कुरूप	ढोल, घंटा, मजीरा
मोहिनी अट्टम	केरल (दक्षिण भारत)	कल्याणि अम्मा	मृदंगम, वीणा, बाँसुरी, कुझीतालम
कुचिपुड़ी	आंध्रप्रदेश (दक्षिण भारत)	राधा रेड्डी	मृदंग, वायलिन, वीणा, मजीरा
ओडिसी नृत्य	ओडिशा (पूर्वी भारत)	संयुक्ता पाणिग्रही	पखावज़, बाँसुरी, सितार

11. बिरजू महाराज का संबंध किस नृत्य से है?

(क) भरतनाट्यम (ख) मणिपुरी नृत्य

(ग) कथक (घ) कथकली

12. ''पुंग'' वाद्ययंत्र का प्रयोग किस नृत्य की प्रस्तुति में होता है?

(क) कथक (ख) कथकली (ग) ओडिसी नृत्य (घ) मणिपुरी नृत्य

13. मणिपुर हमारे देश के किस क्षेत्र में स्थित है?

(क) पूर्वी भारत (ख) पूर्वोत्तर भारत (ग) दक्षिण भारत (घ) उत्तर भारत

14. उपर्युक्त तालिका में वर्णित नृत्यों की शैली है–

(क) पाश्चात्य शैली (ख) शास्त्रीय शैली (ग) लोकनृत्य शैली (घ) पहाड़ी शैली

15. किसी नृत्य की प्रस्तुति में वाद्ययंत्रों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

(क) वाद्ययंत्रों का परिचय कराने के लिए, (ख) दर्शकों की माँग के कारण,

(ग) नृत्य को प्रभावशाली बनाने के लिए, (घ) प्रस्तुति में समय बचाने के लिए।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 17 16-09-2021 15:51:45

हिंदी

कक्षा-8

तुकाराम की आवाज सुनकर गरीब और भूखे लोगों की भीड़ लग गई। संत तुकाराम ने अपनी रखवाली की मजदूरी का अनाज रखकर बाकी सब बाँट दिया। पत्नी ने उन्हें टोका तो वह बोले, ''जो मुफ्त में मिला था, वही मुफ्त में बाँट रहा हूँ। जिसके लिए परिश्रम नहीं किया, उसे लेना अधर्म है।''

संत तुकाराम के भक्ति भाव की, उनके लोभ रहित जीवन की और उनके रचे हुए अभंगों की ख्याति अब दूर दूर तक फैल चुकी थी। छत्रपति महाराज शिवाजी ने उनकी कीर्ति सुनी और इससे बड़े प्रभावित हुए। उन्होंने संत की कुछ सहायता करने का निश्चय किया। एक दिन तुकाराम बाजार गए थे। महाराज शिवाजी अपने सिपाहियों के साथ बहुत–सा समान लेकर उनके घर आए। शिवाजी ओट में छुपे रहे और सिपाहियों ने सब मूल्यवान सामान अवलाई को दिया और बताया कि शिवाजी महाराज ने यह आप लोगों के लिए भेजा है। अभावों में जीवन बिताने वाली अवलाई और उसके बच्चे यह सब देखकर बड़े प्रसन्न हुए।

इतने में संत तुकाराम आ पहुँचे। मूल्यवान सामग्री देखकर उन्होंने सिपाहियों से कहा,'' मैं इन चीजों को स्वीकार नहीं कर सकता। आप इन्हें ले जाइए।'' उन्होंने सब गहने, कपड़े लौटा दिए। उनका कहना था,'' यह हमारा नहीं है। यह दूसरों का है जो अपना नहीं है, उसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करना चाहिए।''

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. संत तुकाराम ने शिवाजी द्वारा लाए गये सामान को इसलिए लौटा दिया क्योंकि–

(क) उस सामान की गुणवत्ता ठीक नहीं थी। (ख) सामान उनके अनुरूप नहीं था।

(ग) वह गहने नहीं पहनते थे। (घ) वह सामान उनका नहीं था।

2. तुकाराम द्वारा अनाज गरीबों को बाँटने पर उन्हें किसने टोका?

(क) पत्नी ने (ख) शिवाजी ने (ग) सिपाही ने (घ) गाँव वालों ने

3. तुकाराम के अनुसार धर्म का मापदंड क्या है ?

(क) पूजा (ख) परिश्रम

(ग) महँगी सामग्री बाँटना (घ) राजा की बात मानना

4. निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य इस प्रसंग पर सटीक बैठता है?

(क) परहित समान सुख नाही। (ख) घर–परिवार को पहले देखो।

(ग) अपने को महान बनाने के लिए कुछ भी करो। (घ) राजा की भेंट सही नहीं होती।

5. 'रखवाली की मजदूरी का अनाज' का क्या अर्थ निकलता है

(क) देश की रखवाली के लिए मजदूरी, (ख) अनाज की रखवाली,

(ग) अनाज की मजबूरी, (घ) जरूरत के लिए मजदूरी से कमाया अनाज।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 18 16-09-2021 15:51:45

देख कर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं
रह भरोसे भाग्य के दुख भोग पछताते नहीं
काम कितना ही कठिन हो किन्तु उकताते नहीं
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं
हो गये एक आन में उनके बुरे दिन भी भले
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले फले।

आज करना है जिसे करते उसे हैं आज ही
सोचते कहते हैं जो कुछ कर दिखाते हैं वही
मानते जी की हैं, सुनते हैं सदा सबकी कही
जो मदद करते हैं अपनी इस जगत में आप ही
भूल कर वे दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं
कौन ऐसा काम है वे कर जिसे सकते नहीं

ऊपर दिए गये काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. 'विघ्न' शब्द का वाक्य में प्रयोग होगा

(क) नेक लोग कार्य में विघ्न डालते हैं। (ख) महत्वपूर्ण कार्यों में विघ्न आता है।
(ग) विघ्न एक सकारात्मक शब्द है। (घ) विघ्न और कार्य एक ही शब्द है।

7. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों में एक मुहावरे का सुंदर प्रयोग किया है वह मुहावरा कौन सा होगा?

''भूल कर वे दूसरों का मुँह कभी तकते नहीं
कौन ऐसा काम है वे कर जिसे सकते नहीं''

(क) भूलना (ख) मुँह ताकना (ग) काम करना (घ) जी भर के जीना

8. प्रस्तुत कविता किस श्रेणी की है?

(क) सामाजिक (ख) राजनैतिक (ग) धार्मिक (घ) नैतिक

9. आपके अनुसार कविता की इस पंक्ति– 'मानते जी की हैं, सुनते हैं सदा सबकी कही' का अर्थ होगा–

(क) सबकी सुनना अपने मन की करना (ख) सभी की सुनना
(ग) अपने ही मन की करना (घ) किसी की नहीं सुनना अपने मन की करना

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 19 16-09-2021 15:51:45

10. 'चंचल' शब्द का विलोम शब्द होगा–

(क) शरारती (ख) हिम्मती (ग) गम्भीर (घ) उपद्रवी

नीचे एक विद्यालय की मिड–डे–मील की सारिणी दी गई है, उसे ध्यान से पढ़ें और उसके नीचे दिए गये प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

क्र.	दिन	भोजन
1.	सोमवार	रोटी, हरी सब्जी, दाल बेसन के लड्डू
2.	मंगलवार	कढ़ी, चावल, रोटी, सब्जी, बर्फी
3.	बुधवार	राजमा, चावल, रोटी, मिक्स सब्जी, रायता
4.	गुरुवार	खीर, पूड़ी, सब्जी, सलाद।
5.	शुक्रवार	पुलाव, छोले, रोटी, हरी सब्जी, नुक्ती के लड्डू।
6.	शनिवार	नमकीन चावल, मिक्स दाल, रोटी, सलाद।

11. तालिका के अनुसार किस दिन सिर्फ चावल के अतिरिक्त गेंहूँ से बनी खाद्य सामग्री मिलती है, उस दिन को अलग कीजिए?

(क) मंगलवार (ख) सोमवार (ग) शुक्रवार (घ) गुरुवार

12. मिड–डे–मील विद्यार्थियों की निम्नलिखित में से कौन सी जरूरत को पूरा करता है?

(क) मीठा भोजन (ख) पौष्टिक भोजन

(ग) पिकनिक (घ) घर से बाहर खाने की

13. निम्नलिखित में से मंगलवार, बुधवार और शनिवार को तीनों दिनों में कौन सा भोजन बना था ?

(क) हरी सब्जी (ख) सलाद (ग) मिक्स दाल (घ) चावल

14. उपर्युक्त मिड–डे–मील चार्ट पर निम्नलिखित में से कौन सा नाम सटीक बैठता है ?

(क) दैनिक भोजन चार्ट (ख) साप्ताहिक मिड डे मील चार्ट

(ग) पौष्टिक भोजन चार्ट (घ) होस्टल भोजन चार्ट

15. इस चार्ट में एक दिन ऐसा भी है, जिसमें मीठा, नमकीन और खट्टा सभी भोजन का हिस्सा हैं?

(क) बुधवार (ख) शुक्रवार (ग) मंगलवार (घ) शनिवार

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 20 16-09-2021 15:51:45

हिंदी

कक्षा-8

6 द्वारिकानाथ लेन कोलकाता, महामहिम,

पंजाब सरकार ने कुछ स्थानीय गड़बड़ियों को कुचलने के लिए जो निर्मम कदम उठाए हैं, उनकी भयंकरता के कठोर धक्के ने ब्रिटिश प्रजा के रूप में हमारी असहाय स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि अब आगे लोगों को जो अमानवीय दंड दिया गया है और उसके लिए जो तरीके अपनाए गए हैं, उनकी मिसाल किसी भी समय सरकार के इतिहास में ना तो अतीत में मिलती है और ना वर्तमान में ही। इस बात का विचार करते हुए कि जिस शक्ति के पास मानव जीवन के विनाश के लिए सबसे सफल साधन है, वह निहत्थी और साधनहीन जनता के साथ ऐसा व्यवहार करें। हम जोर देकर कहना चाहते हैं कि ना तो उससे कोई राजनीतिक प्रयोजन सिद्ध होता है और ना इसका कोई नैतिक औचित्य ही है।.....

मैं अपने देशवासियों की इस मूक व्यथा के लिए कम–से–कम इतना तो कर ही सकता हूँ कि अपना विरोध व्यक्त करुँ और उसका परिणाम अपने ऊपर लूँ। आज सम्मान की पदवी हमारे अपमान के विसंगत संदर्भों को उतार रही है। इसलिए मैं सभी विशिष्टताओं से मुक्त होकर अपने उन देशवासियों के साथ खड़ा होना चाहता हूँ जो तथाकथित तुच्छता के कारण मनुष्य के लिए अनुपयुक्त हीनता सहन करने के लिए बाध्य हुए हैं। इन्हीं उपर्युक्त सभी तथ्यों के कारण विवश होकर खेद के साथ मुझे महाराजाधिराज से प्राप्त 'सर' (नाइट) की पदवी से मुक्त होने के लिए अनुरोध करना पड़ रहा है, जिसे मैंने आप के पूर्वाधिकारी के हाथों से ग्रहण किया था, जिनकी महानता के प्रति मेरे मन में अब भी श्रद्धा है।

30 मई, 1919

आपका

रविंद्र ठाकुर

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. ''महामहिम'' संबोधन किसके लिए लिखा गया होगा?

(क) भारत में ब्रिटिश प्रभारी के लिए। (ख) महाराजाधिराज के लिए।

(ग) सर के लिए। (घ) ब्रिटिश प्रजा के लिए।

2. रविन्द्र ठाकुर ने अपनी किस पदवी को वापिस किया?

(क) कवि (ख) सर (ग) महाराजाधिराज (घ) महामहिम

3. रविन्द्र ठाकुर को सम्मान किसके द्वारा प्राप्त हुआ था?

(क) सर ख) पूर्वाधिकारी (ग) महामहिम (घ) महाराजाधिराज

4. अपनी मूक व्यथा को रविन्द्र ठाकुर ने कैसे व्यक्त किया?

(क) पदवी वापिस करके, (ख) भूख हड़ताल करके,

(ग) आन्दोलन करके, (घ) अंग्रेजों से बात करके।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 21 16-09-2021 15:51:45

5. **आपके अनुसार यह पत्र किस पीड़ा को अभिव्यक्त करता है?**

(क) पदक वापिस करने की, (ख) भारतीय लोगों के ऊपर किए गये अत्याचार की,

(ग) टैक्स की, (घ) महँगाई की।

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है
जा जाकर खाली हाथ लौटकर आता है
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

ऊपर दिए गए काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. **नौकापार करने वाले को किससे नहीं डरना चाहिए?**

(क) गोताखोर से, (ख) लहरों से, (ग) सिंधु से, (घ) उत्साह से।

7. **मोती कहाँ मिलते हैं?**

(क) उथले पानी में, (ख) रेत में, (ग) लहरों में, (घ) गहरे पानी में।

8. **विश्वास का प्रतीक कवि ने किसे बताया है?**

(क) चींटी को, (ख) लहरों को, (ग) सिंधु को, (घ) मोती को।

9. **कविता की इन पंक्तियों में एक मुहावरे का प्रयोग किया गया है, उसे बताएँ–**

''बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती''

(क) उत्साह बढ़ाना, (ख) मुट्ठी खाली रहना,

(ग) कोशिश करना, (घ) कोशिश कर हार जाना।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 22 16-09-2021 15:51:45

10. **आपके अनुसार इस कविता का उपयुक्त मूल भाव क्या होगा?**

(क) चींटी का विश्वास (ख) गोताखार का साहस

(ग) असफलता से डरे बिना प्रयास करते रहना चाहिए। (घ) नाविकों का उत्साह

नीचे दी गई तालिका को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

पॉइंट टेबल — एक कप क्रिकेट

टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रॉ	पॉइंट्स
1. भारत	9	7	2	0	360
2. ऑस्ट्रेलिया	10	7	2	1	296
3. इंग्लैंड	12	7	4	1	+40 226
4. न्यूज़ीलैंड	7	3	4	0	180
5. पाकिस्तान	5	2	2	1	140
6. श्रीलंका	4	1	2	1	80
7. वेस्टइंडीज	5	1	4	0	40
8. दक्षिण अफ्रीका	7	1	6	0	24
9. बांग्लादेश	3	0	3	0	0

ekcupcricket.com

11. **तालिका में बांग्लादेश सबसे निचले पायदान पर क्यों है ?**

(क) उसने सबसे कम मैच खेले। (ख) उसने सारे मैच हारे।

(ग) वह एशिया का एक देश है। (घ) वह नया सदस्य देश है।

12. **सबसे अधिक मैच दक्षिण अफ्रीका ने हारे, फिर भी तालिका में वह बांग्लादेश से ऊपर क्यों है?**

(क) क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने एक मैच जीता भी है।

(ख) क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने अधिक मैच खेले हैं।

(ग) क्योंकि बांग्लादेश का एक मैच ड्रा भी हुआ था।

(घ) क्योंकि बांग्लादेश तीन मैच हारे।

13. **भारत से अधिक मैच किसने जीते ?**

(क) इंग्लैंड (ख) ऑस्ट्रेलिया (ग) न्यूजीलैंड (घ) पाकिस्तान

14. **आपके अनुसार पॉइंट्स का निर्धारण किस बात से तय होता होगा?**

(क) ज्यादा मैच जीतने से, (ख) अधिक मैच से,

(ग) कम मैच हारने से, (घ) जीत, हार और ड्रा के औसत के आधार पर।

15. **एक मैच और खेलने की स्थिति में अपनी यथा–स्थिति बनाये रखने के लिए भारत को क्या करना होगा?**

(क) मैच ड्रा (ख) मैच जीतना

(ग) एक मैच से फैसला नहीं होगा (घ) दो देश बराबर नहीं हो सकते

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 23 16-09-2021 15:51:46

हिंदी

कक्षा–8

छोड़ घोंसला बाहर आया,
देखी डालें, देखे पात,
और सुनी जो पत्ते हिलमिल
करते हैं आपस में बात
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'
डाली से डाली पर पहुँचा,
देखी कलियाँ, देखे फूल,
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'

ऊपर उठकर फुनगी जानी,
नीचे झुककर जाना मूल्य
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया
कच्चे–पक्के फल पहचाने,
खाए और गिराए काट,
खाने–गाने के सब साथी

देख रहे हैं मेरी बाट
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'
उस तरु से इस तरु पर आता,
जाता हूँ धरती की ओर,
दाना कोई कहीं पड़ा हो
चुन लाता हूँ ठोक–ठठोर
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?

ऊपर दिए गये काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. घोंसला छोड़कर बाहर कौन आया?

क) चिड़िया ख) चुरुंगुन ग) कबूतर घ) तोता

2. चुरुंगुन अपने उड़ने के बारे में बार–बार अपनी माँ से क्यों पूछता है?

क) वह उड़ना चाहता है। ख) उसे डर लग रहा है।
ग) उसमें आत्मविश्वास की कमी है। घ) वह माँ से उड़ना सीख रहा है।

3. चुरुंगुन धरती की ओर क्यों जाता है?

क) धरती से उसे प्यार है ख) वह अभी उड़ नहीं सकता
ग) दाना चुगने के लिए घ) घूमने के लिए

4. 'बाट जोहना' का अर्थ क्या होता?

क) प्रतीक्षा करना ख) यात्रा करना ग) टोह लेना घ) बाँटना

5. चुरुंगुन किस भावना का प्रतीक है?

क) परतंत्र उड़ान का ख) निरंतर प्रयत्न का
ग) असफलता का घ) मोह माया से मुक्ति का

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 24 16-09-2021 15:51:46

मैं एक यंत्र मानव हूँ। आम भाषा में लोग मुझे 'रोबोट' कहते हैं। मुझे देखकर आपको हैरानी होगी कि मेरा रूप, रंग, आकार और शरीर तुमसे नहीं मिलता, फिर भी मैं तुम्हारे जैसे बहुत से कार्य कर सकता हूँ और वे भी, जो तुम नहीं कर सकते। मेरा शरीर हाड़–माँस का नहीं, बल्कि लोहा–इस्पात और प्लास्टिक से बना है। मेरी भी भुजा और अँगुलियाँ हैं। लेकिन मेरे ये सभी अंग धातुओं से बने हैं। निर्जीव होते हुए भी मेरे सब अंग तुम्हारी ही तरह काम करते हैं। मैं चल सकता हूँ, उछल सकता हूँ और कूद भी सकता हूँ। तुम्हारी तरह अपने हाथों और अँगुलियों से मैं मशीन के पुर्जे फिट कर सकता हूँ, बोझा उठा सकता हूँ और न जाने कितने काम कर सकता हूँ। तुम्हारे शरीर में शिराओं और धमनियों का जाल बिछा हुआ है। उनमें रक्त का प्रवाह होता रहता है। इसी रक्त से तुम्हें शक्ति मिलती है। लेकिन मेरे शरीर में तारों का जाल बिछा हुआ है और इन तारों में खून की जगह विद्युत धारा बहती है। यही विद्युत धारा मुझे काम करने की शक्ति देती है।

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. रोबोट कैसा मानव है?

क) यंत्र मानव ख) प्राचीन मानव ग) अराक्त मानव घ) सजीव मानव

7. रोबोट किस प्रकार के काम कर सकता है?

क) कुछ निश्चित प्रकार के काम, ख) बहुत प्रकार के काम,

ग) कोई काम नहीं कर सकता, घ) सामाजिक कार्य कर सकता है।

8. रोबोट के अंग कैसे हैं?

क) हाड़ माँस के ख) शीशे के

ग) लकड़ी के घ) लोहा इस्पात और प्लास्टिक के

9. रोबोट की मानव के लिए उपयोगिता है?

क) कार्य आसान करने के लिए ख) कार्य कठिन करने के लिए

ग) काम न करने के लिए घ) काम बिगाड़ने के लिए

10. 'तुम्हारी तरह' कहकर रोबोट क्या कहना चाहता है?

क) मानव की तरह ख) पशु की तरह

ग) पक्षी की तरह घ) सजीव प्राणी की तरह

रचना	रचनाकार	प्रकाशन वर्ष	विधा
उर्वशी	रामधारी सिंह 'दिनकर'	1961	काव्य–नाटक
यामा	महादेवी वर्मा	1936	काव्य–संग्रह
कितनी नावों में कितनी बार	अज्ञेय	1968	यात्रा–काव्य
गोदान	प्रेमचंद	1936	उपन्यास

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 25 16-09-2021 15:51:46

उसने कहा था	चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'	1915	कहानी
चिन्तामणि	रामचंद्र शुक्ल	1939	निबंध–संग्रह

ऊपर दिए गये तालिका को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

11. उर्वशी रचना की विधा क्या है?

क) काव्य–नाटक ख) काव्य–संग्रह ग) काव्य घ) नाटक

12. किस रचना का प्रकाशन 1939 ई. में हुआ था?

क) गोदान ख) यामा ग) चिन्तामणि घ) उर्वशी

13. उपर्युक्त तालिका के अनुसार सबसे बाद (वर्ष) में लिखी गई रचना का नाम है?

क) गोदान ख) चिन्तामणि

ग) उर्वशी घ) कितनी नावों में कितनी बार

14. उपर्युक्त तालिका में महिला रचनाकार का नाम बताइए?

क) अज्ञेय ख) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

ग) महादेवी वर्मा घ) प्रेमचंद

15. दिनकर किसका उपनाम है?

क) रामधारी सिंह ख) अज्ञेय

ग) रामचंद्र शुक्ल घ) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 26 16-09-2021 15:51:46

हिंदी

कक्षा-8

बहुत दिनों से सोच रहा था
थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती में बाग–बगीचा
जो हो सके लगाऊँ।

खिले फूल–फल, चिड़ियाँ बोले
प्यारी खुशबू डोले
ताजी हवा जलाशय में
अपना हर अंग भिगो ले।

लेकिन एक इंच धरती भी
कहीं नहीं मिल पाई
एक पेड़ भी नहीं, कहे जो
मुझको अपना भाई।

हो सकता है पास तुम्हारे
अपनी कुछ धरती हो,
फूल–फलों से लदे बगीचे
और अपनी धरती हो।

हो सकता है कहीं शांत
चौपाए घूम रहे हों
हो सकता है कहीं सहन में
पक्षी झूम रहें हो।
तो विनती है यही

कभी मत उस दुनिया को खोना,
पेड़ों को मत कटने देना
मत चिड़ियों को रोना।

ऊपर दिए गये काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. कवि क्या पाना चाहता है?

क) धरती
ख) बाग–बगीचा
ग) फल–फूल
घ) ताजी हवा और जलाशय

2. कवि धरती का सदुपयोग कैसे करना चाह रहा है?

क) बाग–बगीचा लगाकर
ख) उद्योग लगाकर
ग) घर बनवाकर
घ) फैक्ट्री बनवाकर

3. कवि सभी से क्या विनती करता है?

क) सब मिलकर पेड़ लगाएँ
ख) कवि को धरती दे
ग) धरती का सदुपयोग करें
घ) धरती पर शहर बसाएँ।

4. हमें अपनी धरती को बचाने के लिए क्या करना चाहिए?

क) ऊँची–ऊँची इमारतें बनानी चाहिए।
ख) प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए।
ग) गरीब के लिए घर बनवाना चाहिए।
घ) खेती करनी चाहिए।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 27 16-09-2021 15:51:46

5. **कविता में आए 'सहन' शब्द का अर्थ है–**

क) बर्दाश्त करना ख) दरवाजा ग) आँगन घ) जंगल

मेघालय राज्य की प्रमुख जनजाति है गारो, गारो लोग स्वभाव से ही शांतिप्रिय, परिश्रमी और प्रकृति को प्यार करने वाले होते हैं। इसी गारो–समाज के दो महापुरुषों के नाम हैं– जा पा जलिन पा और सुक पा बुंगि पा गारो– समाज इन दो महापुरुषों को बड़ी श्रद्धा से याद करता है। गारो लोग मेघालय में कैसे बस गए, उसके बारे में एक कहानी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि हजारों साल पहले गारो लोगों के पूर्वज चीन और तिब्बत की ओर सुदूर घाटियों में इधर–उधर भटकते रहते थे। जहाँ खाने–पीने का साधन मिल जाता, वहाँ रुक जाते। जब भोजन की कठिनाई होती तो नए स्थानों की खोज में निकल पड़ते। खानाबदोश जीवन कब तक चलता रहा होगा , कुछ सही–सही नहीं कहा जा सकता। भोजन की तलाश में भटकने के अतिरिक्त गारो लोगों को विषम मौसम और जंगली जानवरों का भी सामना करना पड़ता था। इस कारण गारो लोग बहुत परेशान होते थे। उन्हीं दिनों गारो समाज में जा पा जालिन पा और सुक पा बुंगि पा का जन्म हुआ था। इन दो महापुरुषों ने अपने लोगों की परेशानियों को देखा और समझा दोनों ने गारो लोगों को उस विषम परिस्थिति से निकालकर किसी अच्छे स्थान पर ले जाने का फैसला किया।

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. **गारो कहाँ की जनजाति है?**

क) मेघालय ख) मणिपुर ग) नागालैंड घ) सिक्किम

7. **गारो लोगों का स्वभाव कैसा होता है?**

क) सरल एवं उदार ख) शांति प्रिय

ग) प्रकृति प्रेमी घ) शांति प्रिय, परिश्रमी और प्रकृति प्रेमी

8. **गारो जनजाति मूलतः कहाँ के निवासी माने जाते हैं?**

क) मेघालय के ख) असम के ग) यूरोप के घ) चीन और तिब्बत के

9. **गारो जनजाति का जीवन कैसा था?**

क) खानाबदोश ख) आदिवासी

ग) सरल घ) खुशहाल एवं संपन्न

10. **गारो जनजाति को किन परेशानियों का सामना करना पड़ता था?**

क) गरीबी और बीमारी का ख) विदेशी आक्रमण का

ग) विषम मौसम और जंगली जानवरों का घ) राजनीतिक दबाव का

नीचे दी गई तालिका को ध्यान से पढ़कर सही (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

भाषा	विकास काल	प्रमुख रचनाएँ	प्रतिनिधि छंद
वैदिक संस्कृत	2500 ई.पू.– 1500 ई.पू.	वेद एवं उपनिषद्	मंत्र या रचनाएँ
लौकिक संस्कृत	1500 ई.पू. –500 ई.पू.	पुराण, रामायण, महाभारत	श्लोक
पालि	500 ई.पू. – पहली शती	बौद्ध ग्रंथ	सुत्त या सूत्र

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 28 16-09-2021 15:51:46

प्राकृत	पहली शती से 500 ई.	जैन ग्रंथ	गाहा या गाथा
अपभ्रंश	500 ई. से 1000 ई.	रासो ग्रंथ	दूहा या दोहा
हिंदी	1000 ई. से अब तक	हिंदी साहित्य	विभिन्न छंद

11. भाषा– विकास को कितने चरणों में विभक्त किया गया है?

क) 6 ख) 7 ग) 5 घ) 9

12. वेद और उपनिषद किस भाषा– विकास के अंतर्गत रचे गए हैं?

क) वैदिक संस्कृत ख) लौकिक संस्कृत ग) पालि घ) प्राकृत

13. 500 ई.– 1000 ई. का समय किस भाषा की प्रमुखता का समय था?

क) पालि ख) प्राकृत ग) अपभ्रंश घ) संस्कृत

14. किस भाषा की रचनाएँ सूत्र शैली में रची गई है?

क) प्राकृत ख) पालि ग) अपभ्रंश घ) संस्कृत

15. अपभ्रंश भाषा के प्रमुख ग्रंथ कौन से हैं?

क) बौद्ध ग्रंथ ख) जैन ग्रंथ ग) लौकिक ग्रंथ घ) रासो ग्रंथ

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 29 16-09-2021 15:51:46

हिंदी

कक्षा-8

अभी अभी थी धूप, बरसने
लगा कहाँ से यह पानी
किसने फोड़ घड़े बादल के
की है इतनी शैतानी।

जोर–जोर से गरज रहे हैं
बादल हैं किसके काका
किसको डाँट रहे हैं, किसने
कहना नहीं सुना माँ का।

क्या अब तक तलवार चलाना
माँ वे सीख नहीं पाए
इसीलिए क्या आज सीखने
आसमान पर हैं आए।

सूरज ने क्यों बंद कर लिया
अपने घर का दरवाजा
उसकी माँ ने भी क्या उसको
बुला लिया कहकर आजा।

बिजली के आँगन में अम्माँ
चलती है कितनी तलवार
कैसी चमक रही है फिर भी
क्यों खाली जाते हैं वार।

एक बार भी माँ यदि मुझको
बिजली के घर जाने दो
उसके बच्चों को तलवार
चलाना सिखला आने दो।

ऊपर दिए गये काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

1. पानी कौन बरसाता है?

क) बादल ख) आकाश ग) भगवान घ) इंद्र

2. सूरज के दरवाजा बंद करने का क्या आशय है?

क) वह अस्त हो गया ख) वह बादलों के पीछे छुप गया
ग) अंधेरा छा गया घ) वह बारिश में भीग गया

3. बादलों के गरजने की तुलना किससे की गई है?

क) संगीत से ख) तलवार चलने से
ग) काका की डांट से घ) भयानक आवाज से

4. कवयित्री बिजली के घर क्यों जाना चाह रही है?

क) उसके बच्चों को तलवार सिखाने ख) बादलों को तलवार सिखाने
ग) वह आसमान में उड़ना चाहती है घ) वह स्वयं तलवार सीखना चाहती है

5. कवयित्री बिजली के घर जाने की अनुमति किससे माँग रही है?

(क) सूरज से (ख) माँ से (ग) बादल से (घ) तलवार से

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 30 16-09-2021 15:51:46

जीवन के किसी भी क्षेत्र में शिखर तक पहुँचने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ती है। कई लोग ऐसे भी हुए हैं जिन्होंने शारीरिक अक्षमता के बावजूद संघर्ष किया है और लक्ष्य प्राप्त किया है। ऐसा ही एक नाम है– सुधा चंद्रन। पैर खराब होने के बावजूद वह चोटी की नृत्यांगना बनी। सुधा चंद्रन की माता श्रीमती थंगम एवं पिता श्री के.डी. चंद्रन की हार्दिक इच्छा थी कि उनकी पुत्री राष्ट्रीय ख्याति की नृत्यांगना बने। इसीलिए चंद्रन दंपत्ति ने सुधा को पाँच वर्ष की अल्पायु में ही मुंबई के प्रसिद्ध नृत्य विद्यालय 'कला–सदन' में प्रवेश दिलवाया। पहले–पहल तो नृत्य विद्यालय के शिक्षकों ने इतनी छोटी उम्र की बच्ची के दाखिले में हिचकिचाहट महसूस की किंतु सुधा की प्रतिभा देखकर सुप्रसिद्ध नृत्य शिक्षक श्री के.एस. रामास्वामी भागवतार ने उसे शिष्या के रूप में स्वीकार कर लिया और सुधा उनसे नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करने लगी। जल्द ही सुधा के नृत्य कार्यक्रम विद्यालय के आयोजनों में होने लगे। नृत्य के साथ–साथ, अध्ययन में भी सुधा ने अपनी प्रतिभा दिखाई लेकिन सुधा के स्वप्नों की इंद्रधनुषी दुनिया में एकाएक 2 मई, 1981 को अँधेरा छा गया। 2 मई को तिरूचिरापल्ली से मद्रास जाते समय उनकी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में सुधा के बाएँ पाँव की एड़ी टूट गई और दायाँ पाँव बुरी तरह जख्मी हो गया।

ऊपर दिए गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

6. जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए सर्वाधिक आवश्यक क्या है?

क) दृढ़ इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम ख) ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा

ग) असीमित साधन घ) सुदृढ़ आर्थिक स्थिति

7. प्रसिद्ध नृत्य–विद्यालय 'कला–सदन' कहाँ पर स्थित है?

क) दिल्ली ख) मुंबई ग) तिरुचिरापल्ली घ) चेन्नई

8. नृत्य विद्यालय के शिक्षकों ने सुधा चंद्रन के दाखिले में हिचकिचाहट क्यों दिखाई?

क) सुधा के पैर खराब होने के कारण ख) सुधा की कम उम्र होने के कारण

ग) सुधा में नृत्य प्रतिभा न होने के कारण घ) सुधा के बाहरी होने के कारण

9. सुधा चंद्रन के जीवन में अचानक परिवर्तन क्यों आया?

क) नृत्य विद्यालय में दाखिला होने के कारण

ख) नृत्य कार्यक्रम विद्यालयों में आयोजित होने के कारण

ग) दुर्घटना में पाँव खराब होने के कारण

घ) महान नृत्यांगना बन जाने के कारण

10. सुधा चंद्रन का नाम नृत्य के क्षेत्र में क्यों प्रसिद्ध है?

क) वह बचपन से नृत्य में पारंगत थी ख) दिव्यांग होकर भी महान नृत्यांगना बनी

ग) वह उच्च कुल से संबंध रखती थी घ) वह आर्थिक रूप से बहुत संपन्न थी।

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 31 16-09-2021 15:51:46

चित्र में दी गई सूचना को ध्यान से पढ़कर सही उत्तर (विकल्प) का चयन करें एवं सही (✓) का निशान लगाएँ–

11. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?

क) 20 जून ख) 21 जून ग) 22 जून घ) 25 जून

12. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का सूत्र–वाक्य (थीम) क्या है?

क) योग कर्मसु कौशल ख) योग भगाए रोग

ग) योग है तो निरोग है घ) सामंजस्य और शक्ति के लिए योग

13. योग हमारे लिए क्यों आवश्यक है?

क) स्वस्थ रहने के लिए ख) समय बिताने के लिए

ग) धन कमाने के लिए घ) शक्ति प्रदर्शन के लिए

14. आयुष का अर्थ क्या है–

क) आयु ख) आशीर्वाद ग) शक्ति घ) आत्मबल

15. उपर्युक्त विज्ञापन तैयार किया गया है–

क) गृह मंत्रालय द्वारा ख) रक्षा मंत्रालय द्वारा

ग) प्रधानमंत्री द्वारा घ) आयुष मंत्रालय द्वारा

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 32 16-09-2021 15:51:46

हिंदी

कक्षा-8

उत्तरकुंजी

कार्यप्रपत्र–1

1.	ख	**2.**	ग	**3.**	ग	**4**	घ	**5.**	घ	**6.**	ख	**7.**	ख	**8.**	ग	**9.**	ख	**10.**	घ
11.	क	**12.**	ग	**13.**	ख	**14.**	ग	**15.**	घ										

कार्यप्रपत्र–2

1.	ग	**2.**	ख	**3.**	क	**4**	घ	**5.**	ग	**6.**	ख	**7.**	क	**8.**	ग	**9.**	घ	**10.**	क
11.	ख	**12.**	घ	**13.**	ग	**14.**	ग	**15.**	ख										

कार्यप्रपत्र–3

1.	ख	**2.**	ग	**3.**	घ	**4**	ग	**5.**	क	**6.**	घ	**7.**	ख	**8.**	ग	**9.**	ग	**10.**	ख
11.	ग	**12.**	क	**13.**	ग	**14.**	ख	**15.**	ग										

कार्यप्रपत्र–4

1.	ख	**2.**	ग	**3.**	ग	**4**	ख	**5.**	घ	**6.**	ग	**7.**	ग	**8.**	ग	**9.**	ख	**10.**	ख
11.	ख	**12.**	ग	**13.**	घ	**14.**	ख	**15.**	ग										

कार्यप्रपत्र–5

1.	ख	**2.**	ग	**3.**	ख	**4**	घ	**5.**	ग	**6.**	ख	**7.**	ख	**8.**	ग	**9.**	ग	**10.**	ख
11.	ग	**12.**	घ	**13.**	ख	**14.**	ख	**15.**	ग										

कार्यप्रपत्र–6

1.	घ	**2.**	क	**3.**	ख	**4**	क	**5.**	घ	**6.**	ख	**7.**	ख	**8.**	घ	**9.**	क	**10.**	ग
11.	ख	**12.**	ख	**13.**	घ	**14.**	ख	**15.**	ग										

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 33 16-09-2021 15:51:46

कार्यप्रपत्र–7

1.	क	**2.**	ख	**3.**	घ	**4**	क	**5.**	ख	**6.**	ख	**7.**	घ	**8.**	क	**9.**	ख	**10.**	ग
11.	ख	**12.**	क	**13.**	क	**14.**	घ	**15.**	ख										

कार्यप्रपत्र–8

1.	ख	**2.**	ग	**3.**	ग	**4**	क	**5.**	ख	**6.**	क	**7.**	ख	**8.**	घ	**9.**	क	**10.**	क
11.	क	**12.**	ग	**13.**	घ	**14.**	ग	**15.**	क										

कार्यप्रपत्र–9

1.	क	**2.**	क	**3.**	ग	**4**	ख	**5.**	ग	**6.**	क	**7.**	घ	**8.**	घ	**9.**	क	**10.**	ग
11.	क	**12.**	क	**13.**	ग	**14.**	ख	**15.**	घ										

कार्यप्रपत्र–10

1.	क	**2.**	ख	**3.**	ग	**4**	क	**5.**	ख	**6.**	क	**7.**	ख	**8.**	ख	**9.**	ग	**10.**	ख
11.	ख	**12.**	घ	**13.**	क	**14.**	क	**15.**	घ										

2_Hindi (Class-8) Folder.indd 34 16-09-2021 15:51:46